एथेनाल के साथ ही चारा भी देंगे अनाज

अर्पित त्रिपाठी ● ब्रेटर नोएडा

ई 20 (20 प्रतिशत एथेनाल मिश्रित पेट्रोल) फ्लेक्स फ्यूल गन्ने के साथ ही अनाज से भी बनेगा। अनाज (चावल, गेहूं और मक्का) से एथेनाल बनने के बाद जो अवशेष बचेगा वह पशुओं और पाल्ट्री फार्म में चारे के रूप में इस्तेमाल में भी लाया जा सकेगा। इस अवशेष में प्रोटीन की मात्रा अधिक होगी, जिससे वजह से यह पशुओं के आहार के लिए उपयोग में लाया जा सकेगा। ऐसे में किसी तरह का वेस्टेज भी नहीं बचेगा। इससे पशु पालकों को कम दाम में चारा भी मिल जाएगा।

100 केजी अनाज से 35 प्रतिशत चाराः चंडीगढ़ डिस्टलरी एंड बाटलर्स ग्रुप के अधिकारी ओजस्व शर्मा ने बताया कि 100 किलोग्राम अनाज से 35 प्रतिशत बायप्रोडक्ट (उप-उत्पाद) बचता है। इसमें इतना प्रोटीन होता है कि ये पशुओं और पोल्ट्री फार्म में चारे के रूप में इस्तेमाल में लाया जा सकता है। डैमेज अनाज किसानों से 22 रुपये प्रति किलो ग्राम के हिसाब से खरीदा जाता है। वहीं बाय प्रोडक्ट की कीमत और भी कम होती है। ऐसे में अनाज बेचते समय और बाय प्रोडक्ट खरीदते समय किसान को आर्थिक मजबूती मिलती है।

गन्ने से बेहतर अनाज का अवशेषः गन्ने से एथेनाल निकलने के बाद दो तरह के अवशेष बचते हैं। एक खोई जो ठोस होता है और दूसरा विनास जो कि तरल पदार्थ होता है। खोई को तो एथेनाल प्लांट की गर्मी, भाप और बिजली मुहैया कराने के इस्तेमाल में लाया जाता है। ये एक तरह का बायो फ्यूल होता है, जबकि विनास किसी भी कार्य के इस्तेमाल नहीं आता है। इसे निस्तारित करने से पहले ट्रीट किया जाता है। ऐसे में देखा जाए तो अनाज से एथेनाल की प्रक्रिया पूरी तरह से लाभदायक है।

गन्ने के मुकाबले आधे समय में अनाज से एथेनाल

गन्ने से एथेनाल बनाने की प्रक्रिया करीब 10 दिन की होती है वहीं अनाज से एथेनाल बनाने की प्रक्रिया में पांच दिन का समय लगता है हालांकि गन्ने से बने एथेनाल की कीमत 60 से 65 रुपये प्रति लीटर, वहीं अनाज से बने एथेनाल की कीमत 55 से 58 रुपये प्रति लीटर होती है।